औरैया में लग रहा ई-वेस्ट रिसाइकिलिंग प्लांट

प्लास्टिक सिटी में बन रहा प्लांट, पांच करोड़ होंगे खर्च, इलेक्ट्रॉनिक कचरे से बनेंगी सड़कें और खिलौने

औरैया। प्लास्टिक के साथ-साथ अब इलेक्ट्रॉनिक कचरा बड़ी समस्या है। इससे निपटने के लिए अब औरैया में ई-वेस्ट रिसाइकिलिंग प्लांट लगेगा। ककोर मुख्यालय समीप प्लास्टिक सिटी में प्लांट लगाने की कवायद शुरू हो गई है।

इस प्लांट में संकलित किए गए कचरे को रिसाइकिल किया जाएगा। बाद में सड़कें व खिलौने बनाने में इस वेस्ट का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे रोजगार के अवसर भी सुलभ होंगे। खास बात है कि यह प्लांट पर्यावरण के लिए मुफीद होगा।

रोजाना यहां बड़े पैमाने पर कचरा निकलता है। इससे न सिर्फ गंभीर बीमारियां जन्म लेती हैं, बल्कि इसमें हजार्ड वेस्ट (खतरनाक वेस्ट) भी शामिल होता है। इसके अलावा लोग इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का इस्तेमाल भी करते हैं। बड़े पैमाने पर शहर से लेकर गांव तक मोबाइल व घरेलू उपकरणों का कचरा तेजी से निकल रहा है।

हजार्ड वेस्ट के निस्तारण का होगा बड़ा केंद्र

निर्माणाधीन प्लांट के बाहर लगा बोर्ड। संवाद

इस समस्या को देखते हुए दिल्ली के निवेशक आगे आए हैं। उन्होंने औरैया की प्लास्टिक सिटी में ई-वेस्ट रिसाइकिलिंग प्लांट लगाने की पहल की है। इसके लिए प्लास्टिक सिटी में आवंटित जमीन पर प्लांट भी खड़ा किया जा रहा है।

दिल्ली निवासी निवेशक अमित ओझा बताते हैं कि इलेक्ट्रॉनिक कचरे से निपटने के लिए ई-वेस्ट रिसाइकिलिंग प्लांट लगाना जरूरी है। इसके लिए पांच करोड़ का एमओयू साइन किया गया है।

इसके जरिए यहां पर प्लांट को विकसित किया जा रहा है। अगले माह तक ई-कचरे को रिसाइकिल करने के लिए मशीनों की खेप आ जाएगी। ई-वेस्ट प्लांट के संचालन के लिए कंपनी की ओर से टीएसडीएफ (ट्रीटमेंट स्टोरेज और डिस्पोजल फैसिलिटी) से अनुबंध किया गया है। संवाद

प्लास्टिक सिटी में निर्माणाधीन ई-वेस्ट रिसाइकिलिंग प्लांट। संवाद

प्लास्टिक सिटी में अभ्युथानम इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड ई-वेस्ट रिसाइकिल्स प्लांट लगा रही है। पांच करोड़ का एमओयू साइन हुआ है। 50 फीसदी निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। जल्द ही प्लांट का संचालन शुरू हो जाएगा। -अनुराग अग्रहरि, उद्यमी मित्र

कबाड़ी व कंपनियां देंगी ई कचरा

शहर व ग्रामीण स्तर पर कबाड़ियों के पास बड़े पैमाने पर ई-कचरा आता है। इसके अलावा विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों की वर्कशॉप में भी कचरा निकलता है। इनसे कंपनी अनुबंध करेगी। सीधे कचरा लेते हुए निस्तारण किया जाएगा। बाद रिसाइकिल वेस्ट को सड़कें व प्लास्टिक के खिलौने बनाने में प्रयोग किया जाएगा। कई तरह की धातु भी इस प्लांट से सीधे कंपनियों को बेची जाएगी। कचरा उपलब्ध कराने से लेकर प्लांट में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर मिलेंगे।